<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 1226

13 फरवरी, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण और विस्तार

1226. श्री धीरज प्रसाद साहूः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) द्वारा बोकारो इस्पात संयंत्र सहित अपने इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण और विस्तार के कार्य का दायित्व लिया गया है;

(ख) यदि हां, तो सेल के अंतर्गत विभिन्न संयंत्रों के आधुनिकीकरण/विस्तार की वर्तमान स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या बोकारो इस्पात संयंत्र में विशेष तौर पर उक्त परियोजना के पूरा होने में कोई विलंब हुआ है; और

(घ) आधुनिकीकरण/विस्तार परियोजना को पूरा किए जाने की संभावित तिथि क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): जी हां। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) ने भिलाई (छत्तीसगढ़), बोकारो (झारखण्ड), राउरकेला (ओडिशा), दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) एवं बर्नपुर (पश्चिम बंगाल) स्थित अपने पांच एकीकृत इस्पात संयंत्रों और सेलम (तमिलनाडु) स्थित विशेष इस्पात संयंत्र में अपनी क्रूड इस्पात क्षमता को 12.8 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) से 21.4 एमटीपीए तक बढ़ाने के लिए आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य शुरू किया है।

आधुनिकीकरण एवं विस्तार कार्य हेतु सांकेतिक निवेश 61,870 करोड़ रुपए है। इसके अलावा, कच्चा माल प्रभाग (आरएमडी) एवं रावघाट खान के विकास के तहत मौजूदा खानों में 10,264 करोड़ रुपए के निवेश का प्रावधान किया गया है। बोकारो इस्पात संयंत्र सहित सेल के आधुनिकीकरण एवं विस्तार का प्रमुख संयंत्र वार ब्यौरा निम्नवत है:

संयंत्र	विस्तार से पूर्व क्रूड इस्पात क्षमता (एमटीपीए)	विस्तार के पश्चात् क्रूड इस्पात क्षमता (एमटीपीए)	अनुमोदित लागत (करोड़ रुपये में) (सकल)	अनुमोदित लागत (करोड़ रुपये में) (सेन्वेट का निवल)
भिलाई इस्पात संयंत्र	3.93	7.0	18,847	17,266
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	1.8	2.2	3,164	2,875
राउरकेला इस्पात संयंत्र	1.9	4.2	12,922	11,812
बोकारो इस्पात संयंत्र	4.36	4.61	6,951	6,325
इस्को इस्पात संयंत्र	0.5	2.5	17,961	16,408
सेलम इस्पात संयंत्र	-	0.18	2,138	1,902

(ग) और (घ): बोकारो इस्पात संयंत्र सहित आधुनिकीकरण एवं विस्तार योजना का क्रियान्वयन, मुख्य रूप से निष्पादन के दौरान मिट्टी की अप्रत्याशित स्थितियाँ मिलने, परामर्शदाता द्वारा मात्रा को कम आंकना, परियोजना के ब्राउनफील्ड प्रकृति के कारण लॉजिस्टिक्स समस्याएं, पीएसयू ठेकेदारों सहित अनुबंध एजेंसियों द्वारा संसाधनों के अपर्याप्त संचलन के कारण प्रभावित हुआ है।

भिलाई, राउरकेला, बर्नपुर, दुर्गापुर, बोकारो तथा सेलम इस्पात संयंत्रों में आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य पूरा हो चुका है और विभिन्न सुविधाएं संचलनगत, स्थिरीकरण एवं पुनरुद्धार प्रक्रिया में हैं।

****